कंगना को घेरने वाले दिलजीत दोसांझ के साथ खड़े हुए पंजाबी गायक

मज़दूर मोर्चा ब्यूरो

जाने-माने पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ ने वो कर दिखाया जिसे करते हुए बॉलिवुड के तमाम कलाकार डर रहे थे। दिलजीत दोसांझ ने सीधे एक्ट्रेस कंगना रनौत से पंगा ले लिया। गुरुवार को दिनभर दोनों के बीच शब्दों का युद्ध चलता रहा। पंजाब के लगभग सारे लोक गायक और अन्य कलाकार दिलजीत दोसांझ के साथ खड़े हो गए हैं। जाने-माने पंजाबी गायक मीका सिंह और जसबीर जस्सी ने खुलकर दोसांझ का समर्थन कर दिया है।

इसमें मीका सिंह की टिप्पणी सबसे तीखी है। मीका ने लिखा है कि मुंबई में जब कंगना का दफ्तर गिराया जा रहा था तो उन्होंने उसका विरोध करते हुए कंगना का समर्थन किया था। लेकिन मैं गलत था और अब मैं पछता रहा हूं कि मैंने कंगना का उस वक्त समर्थन ही क्यों किया था। गायक जसबीर जस्सी किसान आंदोलन की शुरुआत से ही इसका समर्थन कर दिया था। उनका पहला ट्वीट 30 नवम्बर को ही किसान आंदोलन के समर्थन में आ गया था। लेकिन अब उन्होंने दिलजीत दोसांझ का समर्थन करते हुए लिखा है - सवा लाख से एक लड़ाऊं, चिड़ियन ते मैं बाज तुड़ाऊं, तबै गुरु गोबिंद सिंह नाम कहाऊं।

ट्विटर पर कंगना और दिलजीत दोसांझ के बयानों को तमाम लोगों ने अंग्रेजी में ट्वीट करके उनका मतलब समझाया। दरअसल, दोसांझ अपनी हर बात पंजाबी में ही लिख रहे थे। दक्षिण भारत के कुछ लोगों और विदेशों में रह रहे लोगों को उनकी पंजाबी समझने में दिक्कत आई तो कई लोगों ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया। इसमें सबसे प्रमुख नाम गुरमेहर कौर का है। गुरमेहर कौर दिल्ली यूनिवर्सिटी की वही छात्रा हैं जिन्हें लेकर आरएसएस समर्थित छात्र संगठन एबीवीपी ने प्रदर्शन किया था। गुरमेहर कौर ने उस समय गोरक्षक दलों द्वारा गाय ले जा रहे लोगों पर हमला करने, कुछ मामलों में हत्या करने के मामलों को उठाते हुए टिप्पणी की थी।

यह सारा मामला तब शुरू हुआ जब पंजाब की एक दादी को शाहीनबाग की दादी समझकर या जानबूझकर कंगना रनौत ने ट्वीट किया कि प्रदर्शन में शामिल होने वाली ऐसी दादियां सौ रुपये लेती हैं और अब शाहीनबाग के बाद किसान आंदोलन में भी दिखने लगी हैं। कंगना के इस ट्वीट का स्क्रीन शॉट लोगों ने ले लिया और इस पर तीखी टिप्पणी शुरू हो गई। कंगना ने कुछ देर बाद अपना वह विवादास्पद ट्वीट हटा दिया। लेकिन दिलजीत दोसांझ को यह बात बुरी लगी और उन्होंने सीधे कंगना पर टिप्पणी कर दी। इसके बाद कंगना गुस्से में आ गई और दोसांझ के लिए गंदे और घटिया शब्दों का इस्तेमाल किया। कंगना ने दोसांझ को फिल्म डायरेक्टर करण जौहर का पालतू तक कहा। लेकिन कंगना ने अपने हटाए गए ट्वीट को लेकर बरगलाने की कोशिश भी की। कंगना ने यह कहकर अपना बचाव किया कि लोगों ने दादी की फोटो हटाकर पंजाब की उस बुजुर्ग महिला की फोटो क्यों लगा दी। हालांकि वह फोटो हटा नहीं था, वो जैसे पहले था, वैसे अब भी है। कंगना को उस वक्त यह विवाद महंगा पड़ गया और लोगों के गुस्से का शिकार होना पड़ा जब बीबीसी ने पंजाब की उस बुजुर्ग महिला के गांव जाकर वहां के लोगों का इंटरव्यू कर लिया। पंजाब के लोगों ने कहा कि वे कंगना को एक हजार रुपये रोजाना देंगे, अगर वो ऐसे धरना-प्रदर्शन में शामिल हो जाए। कुछ लोगों ने कहा कि अगर कंगना को फिल्में नहीं मिल रही हैं तो वे कंगना को दस हजार रुपये की नौकरी देने को तैयार हैं।

यह विवाद अभी थमा नहीं है। कंगना भागती नजर आ रही हैं लेकिन दिलजीत दोसांझ और जनता का गुस्सा रुकने का नाम नहीं ले रहा है।

बता दूं कि मीका सिंह पंजाबी के मशहूर गायक दलेर मेंहदी के भाई हैं। दिलेर मेंहदी की बेटी की शादी बीजेपी सांसद हंसराज हंस से हुई है। इस वजह से दलेर मेंहदी भी अब भाजपा समर्थक हो गए हैं। हालांकि हंसराज हंस सासंद बनने से पहले तमाम ज्वलंत विषयों पर बोलते रहे हैं। पंजाब में आतंकवाद के दिनों में भी उनके एक गाने पर विवाद हो चुका है। हंसराज हंस जालंधर के रहने वाले हैं और दलित हैं। लेकिन इसके बावजूद वह किसानों के मुद्दे पर चुप हैं। राजनीति में हंस ने प्रकाश सिंह बादल के संरक्षण में कदम रखा। उनकी पार्टी से चुनाव भी लड़ा। भाजपा की टिकट भी बादल की सिफारिश पर हंस को मिली थी। लेकिन किसान आंदोलन के मुद्दे पर जब अकाली दल केन्द्र सरकार के विरोध में आ गया है तो इसके बावजूद हंसराज हंस ने अभी तक किसानों के लिए न तो कोई बयान दिया और न उनके समर्थन में खड़े हुए।

इस बीच पंजाब के पूर्व सीएम और अकाली दल सुप्रीमो प्रकाश सिंह के बाद पूर्व आईपीएस और मशहूर पंजाबी प्लेराइट राइटर स्वराज बीर सिंह ने अपना साहित्य अकादमी पुरस्कार सरकार को लौटा दिया है। स्वराज बीर सिंह प्रमुख पंजाबी अखबार पंजाबी ट्रिब्यून के संपादक भी है। इससे पहले जब भारत में मुसलमानों को मॉब लिंचिंग की घटनाओं में गुंडा तत्वों द्वारा मारा जा रहा था तो हिन्दी के कई नामी लेखकों ने अपने साहित्य अकादमी पुरस्कार और पद्म पुरस्कार लौटा दिए थे। इन लेखकों में अशोक वाजपेयी से लेकर उदयप्रकाश तक थे।

किसानों के मुद्दे पर अब मोदी सरकार पूरी तरह घिर गई है। पूरे देश में अगर कोई चर्चा है तो किसान पर है। सचमुच पंजाब के किसानों ने पहली बार किसी केन्द्र सरकार को घुटनों के बल ला दिया है। सरकार उन्हें बार-बार बातचीत के लिए बुला रही है लेकिन वह दोरंगी चाल चल रही है। वह तीनों कृषि कानूनों पर झुकना भी नहीं चाहती और सारे मामले में खुद को जीतते हुए देखना चाहती है। किसानों और सरकार की अगली बातचीत 5 दिसम्बर को फिर है, लेकिन सरकार अपनी चालबाजियों से पीछे नहीं हट रही है। किसान छह महीने का राशन लेकर आये हैं और वे पूरी लड़ाई के लिए तैयार दिख रहे हैं।

काम की खबर

फरीदाबाद

मतदाता पहचान पत्र बनवा लें

अगर आपकी उम्र 18 साल या उससे ज़्यादा है तो आपके पास अपना मतदाता पहचान पत्र बनवाने का मौक़ा फिर आ गया है। मतदाता

पंजीकरण हेतु विशेष अभियान अगले 12 व 13 दिसंबर 2020 को होना है। इस दौरान बीएलओ सभी मतदान केंद्रों पर उपस्थित होंगे, जिनसे संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा पंजीकरण के लिए ऑनलाईन पंजीकरण करें या वोटर हेल्पलाईन मोबाइल एप प्रयोग करे। मतदाता सूची मे अपना नाम चेक करने के लिये मतदाता पंजीकरण केन्द्र या उपलब्ध ड्राफ्ट मतदाता सूची मे देखे। इसके अलावा अधिक जानकारी के लिए सेक्टर-12, लघु सचिवालय स्थित जिला निर्वाचन अधिकारी के दफ़्तर मे सम्पर्क करे।

सोलर सिस्टम से फ़ायदा उठाइए

हरियाणा सरकार की ओर से उपभोक्ताओं को अपनी छत पर सूचीबद्ध सोलर फर्मों से सोलर सिस्टम लगवाने पर 3 किलोवाट तक 40 प्रतिशत और 3 किलोवाट से अधिक व 10 किलोवाट तक 20 प्रतिशत सब्सिडी दी जाएगी।

स्कूल 10 तक बंद रहेंगे

राज्य में सभी सरकारी और निजी स्कूल 10 दिसंबर तक बंद रहेंगे। पहले स्कूलों को 30 नवंबर तक बंद करने का निर्णय लिया गया था. बढते मामलों की वजह से स्कूलों को बंद रखने का निर्णय लिया गया है।

बच्चों को मुफ़्त टैबलेट

हरियाणा सरकार ने डिजिटल एजुकेशन के लिए सरकारी स्कूलों के बच्चों को नि:शुल्क टेबलेट देने की योजना बनाई है। सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे कक्षा 8 से 12 के सभी वर्गों के विद्यार्थियों को मिलेंगे टैब।

तीन शहरों में नगर परिषद चुनाव

हरियाणा की नगर निकाय संस्थाओं अम्बाला, पंचकूला एवं सोनीपत के सभी वार्डों के सदस्यों की सीटों तथा महापौर और नगर परिषद रेवाड़ी, नगरपालिका कमेटी सांपला (रोहतक), धारूहेड़ा (रेवाड़ी) एवं उकलाना (हिसार) के अध्यक्ष तथा सभी वार्डों के सदस्यों के चुनाव आगामी 27 दिसंबर 2020 को होंगे।--

फौजी वर्दी में चाइनीज कम्पनी के कार की लाचिंग

देश की जनता में अक्सर देश भक्ति की भावना जगाने वाले तीनों सेनाओं के प्रमुख बिपिन रावत ने हाल ही में एक ऐसी कम्पनी की कार लांचिंग की है। जिसे चीन खरीद चुका है। इसे लेकर तमाम सवाल जनता में उठ रहे हैं कि एक तरफ जब चीन हमारे जवानों को शहीद कर रहा हो तो ऐसे में बिपिन रावत का यह चीनी प्रेम कहां तक उचित है। इस फोटो में रावत के साथ नई दिल्ली की बीजेपी सांसद व प्रमुख वकील मीनाक्षी लेखी भी दिखाई दे रही है। जनता यह भी जानना चाहती है कि मीनाक्षी लेखी वहां किस हैसियत से इस कार्यक्रम में शामिल हुई थी।

पैसे लेकर हत्याएं करती भोगी अजय बिष्ट की पुलिस

गोरखपुर (ममो) : उत्तर प्रदेश में फिल्म सिटी बनाने को लेकर अजय कुमार बिष्ट इतने बेताब हैं कि मुंबई पहुँच गए हैं। फिल्म को लेकर योगी जी की तत्परता के पीछे एक कारण यह भी हो सकता है कि उनके राज में उत्तरप्रदेश और खुद योगी के जिले गोरखपुर में आये दिन फिल्मी स्टाइल में हत्याएं और अन्य अपराध हो रहे हैं। गोरखपुर की बांसगांव विधानसभा क्षेत्र के गाँव बिशुनपुर में एक दलित लड़के शुभम की हत्या का आरोप लोकल थाना बांसगांव पर आया है।

शुभम के साथ स्कूल में पढ़ने वाले उसके दोस्त सचिता ने बताया कि 6 अक्टूबर की दोपहर शुभम की लड़ाई उसके कुछ सहपाठियों से हो गई जो ब्राह्मण और ठाकुर बिरादरी से सम्बन्ध रखते हैं। झगड़ा बढ़ा तो शुभम के भाई ने बीच बचाव करते हुए भाई को झगड़े से बचा लिया। 12 अक्टूबर के दिन कुछ अन्य लड़कों का आपस में झगड़ा हुआ जिससे शुभम का कुछ लेना देना नहीं था और न ही वह उस दिन घर से बाहर ही गया था। इसके बावजूद झगड़े में न जाने कैसे और क्यों शुभम का नाम शामिल कर लिया गया और कुछ ठाकुर लोगों ने आकर शुभम के घर वालों को धमकाना भी शुरू कर दिया।

एक दिन बीतने के बाद 12 अक्टूबर की रात दो बजे बांसगांव पुलिस थाने के चार सिपाही शुभम के घर के चैनल से बने दरवाजे को तोड़कर दाखिल हुए और शुभम की बहन के साथ मारपीट करने के बाद शुभम और उसके भाई को उठा ले गये। 13 अक्टूबर की सुबह जब गाँव के दलित टोले के लोग थाने पहुंचे तो उन्हें पता चला कि शुभम पर देसी कट्टा व अन्य अवैध हथियार रखने का चार्ज पुलिस ने लगाया है। नाबालिग शुभम को पुलिस ने बाल सुधार गृह न भेज कर जेल भेज दिया। कुछ दिन पश्चात् अचानक शुभम को पुलिस ने मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में भर्ती करवाया। ऐसा क्यों करना पड़ा इस बारे में पुलिस ने घरवालों को कुछ नहीं बताया। 3 नवम्बर की शाम तक मेडिकल कॉलेज ने

शुभम को मृत घोषित कर दिया।

बात बढ़ने न पाए उसके लिए पुलिस ने ठीक हाथरस स्टाइल में शुभम के पार्थिव शरीर का दाह संस्कार करने का दबाव घर वालों पर बनाना शुरू कर दिया। शुभम के पिता मुन्ना ने बताया कि पुलिस ने शुभम को ठाकुर और ब्राह्मण समुदाय के दबंगों से पैसे लेकर उठा लिया और उन्ही के कहने से उसे जानवरों की तरह मारा। पुलिस की मार से शुभम की मौत हो गई और मामले को दबाने का प्रयास प्रशासन के स्तर पर शुरू हो गया।

पुलिस ने नाबालिग शुभम को बालिग दिखाने का प्रयास किया और जब बात नहीं बनी तो उसे खूंखार अपराधी बताते हुए परिवार पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। इलाके के ठाकुर जाती के लोगों ने भी शुभम को चोर और डकैत बता कर नयी-नयी कहानियां गढ़नी शुरू कर दीं कि वह तो लूट-पाट करता था और डकैती तक में उसका हाथ था।

शुभम के पिता मुन्ना ने बताया कि उनके बेटे को पुलिस ने इतना मारा की उसकी हालत खराब हो गई। इसके बावजूद लडके को किसी अस्पताल में भेज कर उल्टा जेल भेज दिया जबकि उनका बेटा अभी नाबालिग था। पुलिस की मार और इलाज न मिलने के कारण शुभम की मृत्यु हो गई। वहीँ पुलिस ने शुभम की मौत का कारण उसका बीमार होना बताया है। फिलहाल सामाजिक कार्यकर्ताओं के बदौलत पुलिस के तीन सिपाहियों पर मुकदमा दर्ज हुआ है पर पुलिस आजतक सिर्फ लीपा-पोती ही कर रही है। फिल्म बनाने को लेकर योगी यदि पूरे सूबे में मात्र कैमरा लगवा दें तो इन फिल्मो का लाइव् प्रसारण बिना किसी एडिटिंग के सारी दुनिया देख लेगी जिसमे पुलिस हत्याएं करती नजर आएगी।

राज्य की पुलिस सुपारी लेकर हत्याएं और गिरफ्तारियां कर रही है पर फिल्म बनाने, दीये जलाने, नाम बदलने और घुमने के सिवा अजय कुमार बिष्ट को उत्तर प्रदेश राज्य को जंगल राज्य बनते जाने की कोई जिक्र नहीं। पुलिस एनकाउंटर को महिमामंडित करने का खामियाजा हाशिये पर आये समाज के शुभम के साथ-साथ एक दिन पूरे देश को भुगतना पड़ेगा और शुभम की हत्या उसका एक नमूना मात्र है।